वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 181 | शनिवार 28 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

तीर्थंकर नेमिनाथ और नारायण श्रीकृष्ण का सशक्त मंचन

36 महिला कलाकारों ने पुरुष और स्त्री पात्रों को जीवंत किया, राजेन्द्र शर्मा राजू ने किया निर्देशन

जयपुर. कासं

रवीद्र मंच की हीरक जयंती महोत्सव के अवसर पर कला एवं संस्कृति विभाग और रवीन्द्र मंच सोसायटी की ओर से टैगोर थिएटर योजना के तहत धार्मिक और सामाजिक नाटक तीर्थंकर नेमिनाथ और नारायण श्रीकृष्ण का सशक्त मंचन किया गया। शशि जैन और लिखित व राजेंद्र शर्मा राजू की ओर से निर्देशित नाटक मैं बताया गया कि नेमिनाथ और श्रीकृष्ण दोनों चचेरे भाई थे। नेमिनाथ का जन्मोत्सव इंद्र सोधर्म ने पांडू शीला पर मनाया। वह नेमिनाथ के जन्म से पहले ही कुबेर की ओर से रतन की भी वर्षा होने लगी। श्रीकृष्णा अपने भाई से बहुत प्रेम करते थे। उन्हीं के जरिए राजा उग्रसेन की लड़की राजमती से रिश्ता पक्का करवाया गया। तब बारात निकली तो हजारों राजा महाराजा

उनकी बारात में आए। वहीं एक तरफ बाड़े में पशुओं को बांधा गया, जिनकी करूण पुकार से नेमिनाथ जो जन्म से ही बैरागी भावना के थे, उनकी भावना जागी और दूल्हा बने नेमी नाथ ने अपने मुकुट जेवर उतारे और जैनेश्वरी दीक्षा लेने की सोची। वहीं पर दुल्हन राजमती के कानों में यह समाचार सुनाई पड़े तो उसने अपने 16 सिंगार उतारे और वैराग्य धारण किया। नाटक के सभी पात्रों ने अपने अभिनय से पात्रों को जीवंत किया और अपने अभिनय से दर्शकों की वाहवाही ली। नाटक में बेला जैन, राजकुमारी, गरिमा, निर्मला, ज्योति, शारदा सोनी शशि जैन, निर्मला बैंद, सरिता गंगवाल, दीपिका बाकलीवाल, दीपिका गोधा, किशा जैन, दिशा जैन, मोहासी, मंजू, अंजू, वंदना, ज्योति , मानसी, दर्शिका ने अपने अभिनय से दर्शकों की वाहवाही पाई। नाटक में गायन पर सरोज छाबड़ा, कुसुम ठोलिया साधना काला ने अपने स्वरों से संगीत को सजाया कार्यक्रम का संचालन शशि जैन ने किया। रवीन्द्र मंच की मैनेजर सोविला माथुर ने बताया कि महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दृष्टि से नाटक तीर्थंकर नेमिनाथ व नारायण श्री कृष्ण का मंचन किया गया। नाटक में सभी पात्रों का अभिनय महिलाओं द्वारा निभाया गया।

गौरवी कुमारी ने लॉन्च किया 'पी से पीरियड्स' कैम्पेन : बोलीं...

वास्तविक बदलाव लाने के लिए ग्रासरूट लेवल पर चेंजमेकर्स तैयार करना आवश्यक है

जयपुर. कासं

समाज में वास्तविक परिवर्तन लाने के लिए ग्रासरूट लेवल पर परिवर्तन की शुरूआत करना आवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति को चेंजमैकर बनने के लिए सशक्त करना जरूरी है। यही 'पी से पीरियड्स' प्रोजेक्ट का मूल है। यह कहना है, जयपुर पूर्व राजपरिवार की सदस्या गौरवी कुमारी का। यह पहल प्रिंसेस दीया कुमारी फाउंडेशन (पीडीकेएफ) और प्रोजेक्ट बाला का एक कोलेबौरेटिव प्रयास है, जिसका उद्देश्य 'मेंस्ट्रुअल वेल बीइंग' के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। पीडीकेएफ की जनरल सेक्रेटरी गौरवी कुमारी ने जयपुर के बादल महल में आयोजित 'पी से पीरियड्स' प्रोजेक्ट के लॉन्च इवेंट में एक पैनल चर्चा के दौरान अपनी बात रखी। गौरवी ने मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता को तिरस्कार की नजर से नहीं देखने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए फाउंडेशन की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला कि किसी भी महिला को मासिक धर्म के कारण उसके काम में बाधा न आए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में बदलाव लाने में डिजिटल और सोशल मीडिया द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने वास्तविक सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के साधन के रूप में डिजिटल साक्षरता के महत्व पर बल दिया। इस कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता, कलाकार और लेखक रूबल नेगी और प्रोजेक्ट बाला की संस्थापक सौम्या

डाबरीवाला भी उपस्थित थीं। रूबल नेगी ने युवाओं, विशेषकर लड़कों को शामिल करने के महत्व और उन्हें मासिक धर्म के बारे में शिक्षित करने और मौजूदा वर्जनाओं को तोड़ने की आवश्यकता के बारे में बात की। उन्होंने लड़कियों की अगली पीढ़ी के विचारों और मूल्यों को नया आकार देने के लिए आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि महिलाएं अब अपने मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता आवश्यकताओं के बारे में अधिक मुखर हैं, लेकिन अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना बाकी है। प्रोजेक्ट बाला के बारे में बात करते हुए सौम्या ने कहा कि यह इनोवेटिव मेंस्ट्रुअल हैल्थ के लिए समाधान प्रदान करता है, जो रोजगार पैदा करने के साथ-साथ पीरियड पॉवर्टी और पीरियड निरक्षरता को समाप्त करने के लिए काम कर रहा है। प्रोजेक्ट बाला ऐसे पैड बना रहा है जो बायोडिग्रेडेबल हैं और दो वर्ष तक दोबारा इस्तेमाल किए जा सकते हैं। यह मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता को सस्ता और सुलभ बना रहा है। पैनल चर्चा का संचालन प्रोजेक्ट बाला की कम्यूनिकेशंस और आउटरीच लीड पारुल कामरा द्वारा किया गया था। इस अवसर पर महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय संग्रहालय की कार्यकारी ट्रस्टी रमा दत्त, मेंस्ट्रुअल चैंपियंस और बड़ी संख्या में विभिन्न स्कूलों के स्टूडेंट्स भी उपस्थित थे।

राजस्थान जन मंच ट्रस्ट द्वारा जयपुर अहिंसा फेस्टिवल 29 अक्टूबर को

जयपुर. शाबाश इंडिया

अहिंसा व्यापक विषय है, इसमें पर्यावरण सरक्षण, जीव जंतु की रक्षा शाकाहार भोजन की शुद्धता विश्व शान्ति असहाय की सेवा जल जीवन जमीन का संरक्षण सकारात्मक सोच आदि निहित है। इन्ही सब उद्देश्यों को लेकर प्रतिवर्ष जयपुर अहिंसा फेस्टिवल रविवार, 29 अक्टूबर को प्राकृतिक चिकित्सालय बापू नगर में आयोजित किया जा रहा है । कार्यक्रम के अंतर्गत फोटोग्राफी, वाद विवाद, निबंध प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, जन जाग्रति सभाएं, शाकाहार, पोष्टिक आहार प्रतियोगिता आदि रखी गई हैं। हर आयु वर्ग व मान्यताओं को मानने वालों तक अहिंसा का वास्तविक प्रचार हो सके। इस अहिंसा कार्यक्रम में सभी सादर आमंत्रित है। पत्रकार सुरेंद्र कुमार जैन बड़जात्या सदस्य, पदाधिकारी कमल लोचन ने यह उपरोक्त जानकारी दी।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति एवं

आदिनाथ मित्र मंडल, जयपुर के द्वारा

निःशुल्क चिकित्सा एवं नैत्र जांच शिविर

रविवार, 29 अक्टूबर 2023

समयः प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक

स्थानः राजस्थान अस्पताल प्रांगण, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर

मुख्य अतिथि
श्रीमान उत्तम जी पांड्या
मुनिभक्त, प्रमुख समाजसेवी

अध्यक्षता
डॉ. एस.एस. अग्रवाल
चेयरमैन, राजस्थान हॉस्पिटल

दीप प्रज्जवलनकर्ता
श्रीमान महेश जी काला
राष्ट्रीय मंत्री, भा. दि. जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी

शिविर में निम्न रोगों के विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध रहेंगी...

हृदय रोग विशेषज्ञ	ई.एन.टी. विशेषज्ञ	हड्डी रोग विशेषज्ञ	डायबिटीज विशेषज्ञ
डॉ. कैलाश चन्द्रा	डॉ. पंकज सिंह	डॉ. जितेश जैन	डॉ. प्रियाश्री कटेवा

कैंसर रोग विशेषज्ञ	स्त्री रोग विशेषज्ञ	नैत्र रोग विशेषज्ञ	फिजीयोथेरेपिस्ट
डॉ. सरजीत सैनी	डॉ. शिल्पा गुप्ता जेतवानी	डॉ. निकिता जैन	डॉ. गरिमा सिंह

शिविर में उपलब्ध निःशुल्क जांचें

बीएमडी	शुगर	लिपिड प्रोफाइल
फाइब्रो स्कैन	कान की मशीन से जांच	ई.सी.जी.
मैमोग्राफी	ओपथाल स्क्रीनिंग	पैप स्मीयर

नोटः-1. जांच करवाने हेतु खाली पेट आना उचित रहेगा। 2.रोगी अपने ईलाज संबंधित पूर्व रिपोर्ट व डॉक्टर की पर्ची साथ लेकर आवें।

विद्यासागर जी जन्म दिवस शरद पूर्णिमा 28 अक्टूबर पर विशेष

अद्भुत गुरु के अद्भुत शिष्य आचार्य श्री विद्यासागर जी

डॉ. जैनेंद्र जैन

भारत भूमि मुनियों, संतों, महात्माओं, आचार्यों की भूमि रही है और सभी की सत्य अहिंसा समता, जीयो और जीने दो, वसुधैव कुटुंबकम का भाव जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हम सबका यह परम सौभाग्य है कि इस युग के विश्व विख्यात महान तपस्वी एवं श्रमण संस्कृति के महामहिम संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज आज हम सबके बीच साधना रत हैं और उनका आशीर्वाद भी हम सबको सुलभ है। आचार्य श्री का जन्म 10 अक्टूबर 1946 शरद पूर्णिमा के दिन कर्नाटक राज्य के बेलगांव जिले के ग्राम सदलगा में श्रावक श्रेष्ठी मलप्पाजी अष्टगे और श्रीमती श्रीमंती जी के घर आंगन में बालक विद्याधर के रूप में हुआ था। मात्र 14 वर्ष की अल्पायु में विद्याधर आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज के प्रवचन सुनकर भाव विभोर हो जाते थे। 20 वर्ष की उम्र में आपने आचार्य श्री देशभूषण जी महाराज से आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत लेकर गृह त्याग का संकल्प कर लिया और आचार्य श्री के समक्ष अपनी भावना व्यक्त कर एवं उनका आशीर्वाद एवं निर्देश पाकर विद्याधर जैन दर्शन के मर्मज्ञ और संस्कृत, प्राकृत एवं हिंदी के अध्येता एवं अनुभव और आयु समृद्ध अद्भुत

भविष्यवेत्ता मुनि श्री ज्ञान सागर जी की शरण में अजमेर पहुंच गए और उसी दिन से उनके जीवन की दशा और दिशा बदल गई। मुनि ज्ञान सागर जी ने ब्रह्मचारी विद्याधर के भीतर पनप रहे वैराग्य को भांप लिया और आशीर्वाद देकर अपने संघ में रहने की अनुमति प्रदान की ।उसी दिन से विद्याधर ने मुनि ज्ञान सागर जी के समक्ष आजीवन वाहन का त्याग कर दिया और डेढ़ वर्ष तक ज्ञान सागर जी के संघ में रहते हुए विधिवत साधना और अध्ययन में लीन रहकर धर्म, दर्शन, न्याय, व्याकरण और साहित्य सृजन की सारी सीढ़ियां पार कर महाव्रत के दुर्गम शिखर तक पहुंच गए। दिनांक 30 जून 1968 को अजमेर की पावन धरा पर 22 वर्ष की उम्र में मुनि ज्ञान सागर जी ने ब्रह्मचारी विद्याधर को जैनेश्वरी मुनि दीक्षा प्रदान कर विद्यासागर बना दिया एवं 22 नवंबर 1972 को नसीराबाद राजस्थान में आचार्य ज्ञानसागर जी ने अपने अद्भुत सुयोग्य शिष्य मुनि विद्यासागर की चरण वंदना करते हुए अपना आचार्य पद भी उन्हें सौंप दिया जो इतिहास में अपने ढंग का अनूठा और दुर्लभ तम उदाहरण है। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज कोई सामान्य संत नहीं हैं वे एक गांधीवादी विचारधारा से ओतप्रोत एक निराभिमानी, निस्पृही, निश्छल राष्ट्र संत हैं, जिन पर हमारी संस्कृति, समाज और राष्ट्र गौरव करता है। लगभग 5 दशकों से आप पद त्राण विहीन चरणों से पद बिहार करते हुए त्याग, तपस्या, ज्ञान ,साधना और अपनी करुणा की प्रभा से न केवल जैन क्षितिज को आलोकित कर रहे हैं वरन जिन शासन की ध्वजा को भी दिग- दिगंत तक फहराकर उसका शीर्ष भी ऊंचा कर रहे हैं। आपके दीक्षा गुरु ज्ञान सागर जी श्रमण संस्कृति के उद्भट विद्वान और यथा नाम तथा गुण थे और आप भी उनके यथा नाम तथा गुण ऐसे अद्भुत शिष्य हैं जो आज धर्म और अध्यात्म के प्रभावी प्रवक्ता एवं श्रमण संस्कृति की उस परमोज्वल धारा के अप्रतिम प्रतीक हैं जो आज भी सिंधु घाटी की प्राचीनतम सभ्यता के रूप में अक्षुण होकर समस्त विश्व को अपनी गौरव गाथा सुना रही है। आचार्य श्री का धर्म, समाज, संस्कृति, साहित्य, नव तीर्थ सृजन, गोरक्षा, जीव दया, चिकित्सा एवं स्त्री शिक्षा और हथकरघा के क्षेत्र में जो अवदान है वह वर्णनातीत और स्वर्ण अक्षरों में अंकित किए जाने योग्य है। आपने अभी तक 450 से अधिक ऐलक, क्षुल्लक, मुनि, एवं आर्यिका दीक्षा प्रदान कर श्रमण परंपरा को भी वृद्धिगत एवं गोरवान्वित किया है। आपके द्वारा रचित कृति ''मूक माटी'' हिंदी काव्य जगत का ऐसा कालजयी गौरव ग्रंथ और युग प्रवर्तक महाकाव्य है जिसके द्वारा आचार्य श्री ने राष्ट्रीय अस्मिता को पुनर्जीवित किया है और सर्वधर्म समन्वय एवं सामाजिक न्याय के लिए एक आचरण संहिता प्रस्तुत करते हुए मानव मात्र को शुभ संस्कारों से संस्कारित करने का अभिनव प्रयास भी किया है ताकि सामाजिक, धार्मिक एवं शैक्षणिक क्षेत्र में एवं व्यक्ति के अंदर प्रविष्ट हुई कुरीतियों को निर्मूल किया जा सके। संप्रति डोंगरगढ़ स्थित चंद्रगिरी तीर्थ (छ ग) में चातुर्मास कर रहे प्रज्ञा ,प्रतिभा और तपश्चर्या की जीवंत मूर्ति आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के कुशल रत्नत्रय की मंगल कामना करते हुए उनके अवतरण दिवस पर कोटिशः नमोस्तु।

डॉ जैनेंद्र जैन
195 छत्रपति नगर एरोड्रम रोड इंदौर 5
मोबाइल नंबर 9424008100

वेद ज्ञान

अपनी खुशी

भीतर की अपनी खुशी, अपनी संतुष्टि ही नैसर्गिक खुशी होती है। इसकी तैयारी भीतर से ही करनी होती है। इस खुशी के रहते हुए कोई बाहर का तत्व हमें दुखी नहीं बना सकता। भीतर की जो वास्तविक खुशी है वह कुएं के पानी के उस अनवरत स्नोत की तरह है जो जमीन के अंदर से आता है। कुएं के पानी की तरह अंदर से निकला खुशी का निर्मल झरना आत्मा, हमारे तन-मन और समूचे जीवन को आनंदित कर देता है। निरंतर बहने वाले इस खुशी के स्नोत को अगर कोई रोकता है तो वह हैं-हमारे मन में बसे सक्रिय दुर्गुण और वासनाएं। हम बाहर से कितने ही अच्छे काम कर लें, लेकिन अगर भीतर से खुश रहने के लिए तैयार नहीं हैं तो अच्छे से अच्छा काम भी यंत्र-वत बनकर रह जाएगा। यदि हम भीतर से खुश रहने के लिए तैयार हैं तो फिर हमारा हर काम अपने आप में अनूठा होगा, आनंददायी होगा। बाहरी खुशी ऊपर रखी टंकी का वह पानी है जो रोज भरा जाता है और रोज टंकी खाली हो जाती है। टंकी में डाला गया पानी इंद्रियों द्वारा भोगे जाने वाले सांसारिक भोग-विलास हैं। इंद्रियां इन्हीं बाहरी पदार्थों से सुख चाहती हैं, लेकिन बाहरी पदार्थ से कभी वास्तविक खुशी न किसी को मिली है न मिलेगी। इन्हें तो रोज भरना खाली होते रहना है। अपनी खुशी दूसरों में खोजने वाले लंबे समय तक जीवन-यात्रा नहीं कर पाते हैं, लेकिन संसार में रहना है तो दूसरों के बिना जीवन कट भी नहीं सकता। सुख मिले या दुख, संबंध तो निभाने पड़ते ही हैं। एक बार अगर हमने अपने भीतर की खुशी को जान लिया है तो खुशी हमारी मुट्ठी में है। हम सभी चाहते हैं कि कैसे भी, किसी भी प्रकार से खुशी मिल जाए। विभिन्न प्रकार के वर्कशॉप, आयोजन, महोत्सव किए जाते हैं, लेकिन खुशी कोई आयातित बाहरी पदार्थ नहीं है। यह तो हमारी मानसिक अवस्था है, हमारी सोच की दिशा है। यही दिशा जब सकारात्मक होती है तो खुशी में बदल जाती है। बाहर से प्राप्त खुशी वास्तविक न होकर अस्थाई रूप से प्राप्त खुशी की प्रतिछाया होगी। उस व्यक्ति या परिस्थिति जिससे हमने यह प्रतिछाया प्राप्त की है, के हटते या अलग होते ही वह खुशी भी हमसे दूर हो जाएगी। स्थाई रूप से खुश रहने के लिए आवश्यक है कि हम अपनी खुशी अपने भीतर ही तलाश करें।

संपादकीय

इंडिया की जगह भारत, क्या गहन विमर्श की परिणति है?

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, यानी एनसीईआरटी में 'इंडिया' को 'भारत' करने की अनुशंसा यदि एक गहन विमर्श की परिणति है, तो इसका स्वागत किया जाना चाहिए। एनसीईआरटी की एक समिति ने इस बाबत सर्वसम्मति से सिफारिश की है। इस विषय पर पिछले दिनों खूब बहस हुई थी और इस संदर्भ में संविधान का भी हवाला दिया गया था, पर तब इस बहस का आधार राजनीतिक कहीं अधिक था। दरअसल, एनडीए सरकार के खिलाफ गठित विपक्षी मोर्चे का संक्षिप्त नाम ''इंडिया'' रखे जाने के बाद से ही इस शब्द को लेकर सियासत होने लगी थी। फिर जी-20 शिखर सम्मेलन में आए मेहमान शासनाध्यक्षों के सम्मान में राष्ट्रपति ने एक रात्रिभोज का आयोजन किया था, जिसके निमंत्रण पत्र पर प्रेसिडेंट ऑफ भारत अंकित हुआ। यहीं से देश के नाम की पुरानी बहस ने विवाद का रूप ले लिया और फिर शांत नहीं हुआ। ऐसे में, एनसीईआरटी की नई सिफारिश से यह मुद्दा एक बार

फिर अवश्य गरमाएगा, क्योंकि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव इसके मुफीद माहौल मुहैया करा रहे हैं। यह सही है कि आजादी-पूर्व से भारत के लिए अनेक नाम प्रयुक्त होते रहे हैं, उसके बाद भारत, इंडिया और हिन्दुस्तान का ही सर्वाधिक इस्तेमाल होता रहा। फर्ज कीजिए, किसी वैश्विक मंच पर तीन भारतीय इन तीनों के प्रतिनिधि के रूप में खडे.हों, तब हम दुनिया को क्या पैगाम देंगे? हम यह नहीं कहते कि भारत के सिवा अन्य नामों के पैरोकारों में मातृभूमि के प्रति जरा-सी भी कम निष्ठा है, मगर कुछ निष्ठाएं एकरूपता मांगती हैं। मसलन, राष्ट्र-ध्वज, संविधान, राष्ट्र का नाम एक ही होना चाहिए। हमारे नीति-नियंताओं को इस बात पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि भारत नाम पर देश के सभी खित्तों और वर्गों में सवार्नुमति बनाई जाए। हमारे पास इस बात के बहुतेरे उदाहरण मौजूद हैं, जिनमें देशों ने अपने नाम बदले और वहां के बाशिंदों ने इसे सहर्ष अंगीकार किया। यहां तक कि भारत के भीतर हमने कई राज्यों, शहरों के नाम बदले और वे लोकप्रिय हुए। उनके निवासियों को उन पर फख्रा है! इसलिए वक्त आ गया है कि इस मामले में सवार्नुमति से अंतिम फैसला लिया जाए। भारत शब्द की ऐतिहासिकता किसी से छिपी नहीं है, तो फिर राजनीतिक एकता क्यों नहीं कायम हो सकती? हम जिस प्रचार-युग में जी रहे हैं, उसमें श्रेय लेने का लोभ अब जरूरी संवादों पर हावी हो चला है, जबकि यह लोकतंत्र की मूल आत्मा के विपरीत है। इसके कारण आसानी से सुलझाए जाने वाले मसले भी गतिरोध के शिकार होने लगे हैं। सिर्फ भारत नाम की सर्वस्वीकार्यता पर भी विवाद न होता, यदि हमारे पूरे राजनीतिक वर्ग ने अपने सीने पर तमगा सजाने का मोह न पाला होता और रचनात्मक संवाद के जरिये इसे सुलझाया होता! हम अपने संविधान में वक्त और जरूरत के हिसाब से सौ से ज्यादा संशोधन कर चुके हैं, तो देश के नाम को लेकर एक संशोधन क्यों नहीं कर सकते? एनसीईआरटी के विशेषज्ञों ने जो अनुशंसा की है, वह स्वीकृत हुई, तो सिर्फ उसकी किताबों में इंडिया की जगह भारत छपेगा, क्योंकि शिक्षा समवर्ती सूची का विषय है और नई शिक्षा नीति को लेकर जैसी सियासत हम देख रहे हैं, उसमें देश के नाम पर सभी स्कूली किताबों में एकरूपता मुश्किल ही लगती है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

पश्चिम एशिया संकट

अपने नागरिकों पर आतंकी संगठन हमास के बर्बर हमले के बाद इजरायल जो जवाबी कार्रवाई कर रहा है, उसके चलते पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ रहा है तो इसी कारण कि इस कार्रवाई के चलते गाजा में आम लोगों को भी जान गंवानी पड़ रही है। निःसंदेह इजरायल को इसका अधिकार है कि वह गाजा में हमास के ठिकानों को ध्वस्त करे और उसके आतंकियों का सफाया करे, लेकिन ऐसा करते हुए उसे यह देखना होगा कि आम लोगों को जान-माल का नुकसान न उठाना पड़े। इजरायल की जवाबी कार्रवाई से गाजा में जो गंभीर मानवीय संकट पैदा हो गया है, उसकी न तो इस्लामी जगत अनदेखी कर सकता है और न ही शेष विश्व। यह सही है कि गाजा के आम लोग इजरायल की सैन्य कार्रवाई का निशाना इसलिए बन रहे हैं, क्योंकि हमास यहां के लोगों को सुरक्षित ठिकानों में जाने से जबरन रोक रहा है, लेकिन एक राष्ट्र होने के नाते इजरायल को इसका ध्यान रखना होगा कि हमास की करतूतों की सजा गाजा के नागरिकों को न मिले। हमास के खिलाफ इजरायल की सैन्य कार्रवाई के बीच जो देश और विशेष रूप से इस्लामी देश युद्ध विराम की जो मांग कर रहे हैं, उसे अनुचित नहीं कहा जा सकता, लेकिन यह सुनिश्चित करना उनकी भी जिम्मेदारी है कि हमास बंधकों को रिहा करे। आखिर क्या कारण है कि हमास की सहायता करने और उसके नेताओं को संरक्षण देने वाले देश उस पर इसके लिए दबाव नहीं बना रहे हैं कि वह बंधकों को तत्काल छोड़े? ऐसे देशों को हमास की पैरवी करने और उसके हमले को जायज ठहराने से भी बाज आना चाहिए, क्योंकि यह आतंकी संगठन इजरायल के अस्तित्व को मिटाने पर आमादा है। कोई भी इसकी अनदेखी नहीं कर सकता कि हमास की वीभत्स आतंकी हरकत के कारण ही इजरायल गाजा पर सैन्य कार्रवाई करने के लिए विवश हुआ है। हमास ने इजरायली लोगों के खिलाफ अपनी बर्बरता से एक तरह से जानबूझकर गाजा के लोगों को संकट के मुहाने पर खड़े करने का काम किया है। यह संभव ही नहीं कि उसे इसका आभास न रहा हो कि उसकी जघन्य कार्रवाई पर इजरायल चुप होकर बैठने वाला नहीं। इजरायल के साथ खड़े पश्चिमी देशों और फलस्तीनियों के हितों की आवाज उठा रहे देशों को समस्या के किसी सार्वमान्य समाधान की ओर बढ़ना चाहिए। ऐसा कोई समाधान तभी निकल सकता है, जब यहूदियों का सफाया करने की सनक से ग्रस्त हमास एवं हिजबुल्ला जैसे आतंकी संगठनों पर लगाम लगे और इजरायल यह समझे कि फलस्तीनियों का भी अपना अलग देश होना चाहिए। यह अच्छा हुआ कि भारत ने जहां हमास की हरकत को आतंकी हमला करार देने में संकोच नहीं किया, वहीं फलस्तीनियों के पक्ष में आवाज उठाई और उन्हें मदद भी भेजी। उचित यह होगा कि वह पश्चिमी देशों और इस्लामी जगत के बीच कोई समझबूझ कायम करने के लिए सक्रिय हो।

राजस्थान जैन युवा महासभा के नवीन कार्यालय का उदघाटन हुआ

कार्यालय नहीं कार्य प्रणाली महत्वपूर्ण होती है: आचार्यश्री सौरभ सागर जी

जयपुर. कासं

150 से अधिक दिगम्बर जैन महिला एवं युवा संगठनों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा के सहकार मार्ग स्थित नये कार्यालय का उदघाटन आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में बुधवार को धूमधाम से हुआ। इस मौके पर बड़ी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए। प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में आयोजित सादा समारोह में समाजश्रेष्ठी कैलाश चन्द माणक चन्द रमेश ठोलिया परिवार ने फीता खोलकर एवं दीप प्रज्जवलन कर ज्योतिनगर हाऊसिंग बोर्ड के प्लाट नम्बर 13 क 3 में राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश कार्यालय का लोकार्पण किया। इससे पूर्व आचार्य श्री प्रातः 8.00 बजे भट्टारक जी की नसियां से मंगल विहार कर राजस्थान विधानसभा के बाहर पहुंचे जहां राजस्थान जैन युवा महासभा परिवार एवं ज्योतिनगर जैन समाज की ओर से भव्य अगवानी की गई । विधानसभा भवन के

अवलोकन के बाद विशाल जुलूस के साथ आचार्य श्री का सहकार मार्ग स्थित राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के कार्यालय में मंगल प्रवेश हुआ ।इस मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा के पदाधिकारियों द्वारा प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के नेतृत्व में आचार्य श्री के पाद पक्षालन एवं मंगल आरती की गई। तत्पश्चात युवा महासभा के नये कार्यालय का समाजश्रेष्ठी माणक चन्द रमेश ठोलिया ने विधिवत रूप से लाल रिबन फीता खोलकर नवीन कार्यालय का जयकारों के बीच लोकार्पण किया गया। आचार्य श्री ने युवा महासभा के सभी पदाधिकारियों को मंगलमय आशीर्वाद दिया। तत्पश्चात आचार्य श्री ज्योतिनगर के दिगंबर जैन मंदिर पार्क पहुंचे जहां मंदिर दर्शन के बाद धर्म सभा में मंगल प्रवचन हुए। मंगलाचरण के बाद अतिथि के

रूप में उपस्थित अर्चना शर्मा, माणक चन्द रमेश ठोलिया, सुभाष चन्द जैन, राजीव जैन गाजियाबाद, आलोक जैन तिजारिया, अशोक जैन नेता, सुनील बख्शी, सुरेश छाबड़ा, राजीव पाटनी, पदम बिलाला, पार्षद पारस पाटनी एवं भरत मेघवाल, शकुंतला बिन्दायक्या, आदि का युवा महासभा की ओर से प्रदीप जैन,राकेश गोधा, विनोद जैन कोटखावदा, मनीष बैद, अनिल छाबड़ा, इंदिरा बड़जात्या, सी एस जैन, संजय पाण्डया, रवि प्रकाश जैन, राज कुमार पाटनी, धीरज पाटनी, निशा जैन आदि ने स्वागत एवं सम्मान किया।

उद्घाटनकर्ता:
मुख्य अतिथि:
समारोह अध्यक्ष:
सम्मानीय अतिथि
दीप प्रज्जवलनकर्ता:
डांडिया रिंग उद्घाटनकर्ता:
श्री जतिन मोसून
जेकेजे ज्वैलर्स
श्री प्रमोद पहाड़िया
एआरएल ग्रुप
श्रीमती रेणू राणा
प्रमुख समाज सेवी
श्री उमरावमल संघी
प्रमुख समाज सेवी
श्री सुनील जैन पहाड़िया
वर्धमान ग्रुप
श्री अशोक अग्रवाल
श्रीराम ग्रुप
-: विशिष्ट अतिथि :-
श्री राजेश अग्रवाल
सिटी वाईब्स
श्री शैलेन्द्र गोधा
प्रबन्ध सम्पादक-समाचार जगत
श्री अजय कटारिया
प्रमुख समाज सेवी
श्री राजीव जैन गाजियाबाद
प्रमुख समाज सेवी
श्री विनय सौगानी
वर्ल्ड जैम्स
श्री सुनील पहाड़िया
एफ.पी.-जेएसजी राजधानी
डॉ. कुलराज मीणा RAS
एम.डी.-जयपुर डेयरी
श्री सुनील कुमार गुप्ता
ब्रांच मैनेजर-कोटक बैंक, मालवीय नगर
श्री पवन जैन
दी फोटो गैलेरी
श्री मुकेश शर्मा
मेटाक्राफ्ट
डॉ. राजीव जैन
प्रमुख समाज सेवी
श्री अखिल जैन
प्रमुख समाज सेवी
श्री कुलदीप ढिल्लो
प्रमुख समाज सेवी
डॉ. अनिल जैन
लक्की हॉस्पिटल
श्री रमेश ठोलिया
प्रमुख समाज सेवी
श्री सुशील कासलीवाल
(दिल्ली वाले)
JSG
Jain Social Groups
Int. Federation
Grow more to Serve more
Group No. 154
जैन सोश्यल ग्रुप्स इन्ट. फैडरेशन नॉर्दन रीजन
के तत्वावधान में
जैन सोश्यल ग्रुप महानगर
प्रस्तुत करते हैं
डांडिया पुरस्कार
लक्की ड्रा
विशेष आकर्षण भगवान महावीर की 1008 दीपकों से आरती
आकर्षक बम्पर हाऊजी
डीजे डांडिया धमाल
21वां
JKJ JEWELLERS
दीपोत्सव
डांडिया 2023
Kasera KIDS Fashions SHOW
चटपटे स्वादिष्ट व्यंजन
NO PLASTIC FOOD ZONE
रविवार, 29 अक्टूबर 2023, सायं 4 बजे से 10 बजे तक
स्थान : महावीर स्कूल प्रांगण, सी-स्कीम, जयपुर
Best Deals ka ek hi Option
1 RECEPTION
Media Partner
91.1 FM
Radio City
मुख्य प्रायोजक
JKJ JEWELLERS
प्रायोजक
ARL
SHREE RAM GROUP
CHART GROUP
cityvibes
kotak Kotak Mahindra Bank
सरस
फैशन शो मुख्य प्रायोजक
Shree Kasera Tent & Event
फैशन शो प्रायोजक
JAIPUR chakki
RUNDLA ENTERPRISES
सहयोगी संस्थाएं: जेएसजी अरिहन्त, मैट्रो, राजधानी, गोल्ड, अप टू डेट, राजस्थान जैन युवा महासभा, डीजेएसजी नवकार, सन्मति, आदिनाथ मित्र मण्डल, जयपुर ज्वैल्स, लायनेस क्लब स्वरा, बी.सी. फाउन्डेशन, अ.भा.दि. जैन युवा परिषद् मानसरोवर

महासती धर्मप्रभा ने कहा...

क्षमा से बड़ा संसार में कोई तप नहीं है

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। क्षमा से बड़ा संसार में कोई तप नहीं है। शुक्रवार साहुकारपेट जैन भवन मे श्री नवपद ओलीजी के अष्टमदिवस पर महासती धर्मप्रभा ने आयंबिल तप अराधको और श्रद्धालुओं को श्रीपाल चारित्र सुनाते हुए कहा कि क्षमा ही धर्म है इसके समान संसार मे कोई तप नहीं है,और धर्म भी नहीं है। जब तक मनुष्य मे क्षमा करना और क्षमा मांगता नही आ जाता है तब तक वो महान नहीं बन सकता है। मनुष्य जीवन इतना लंबा और अटपटा है कि यदि क्षमा मांगने और देने का गुण व्यक्ति में नहीं है तो उनका जीवन बड़ा कष्टकारी बन जाता है। मांगने से अहंकार खत्म हो जाता है, जबकि क्षमा करने से संस्कार बनते हैं। शीलवान का शस्त्र, प्रेम का परिधान और नफरत का निदान है क्षमा करने के लिए व्यक्ति को अपने अहम को खत्म करना पड़ता है और एक सहनशील,संतोषी व्यक्ति ही कर सकता है। वही इंसान जगत मे महान और पूज्यनीय बनता है। साध्वी स्नेहप्रभा ने भगवान महावीर स्वामी की अंतिम देशना श्रीमद उत्ताराध्यय सूत्र का वांचन करते हुए कहा कि मनुष्य को समय मात्र का प्रमाद भी नहीं करना चाहिए क्योंकि समय का कोई भी भरोसा नहीं है। कब मृत्यु बुलावा आ जाए और सांसों की डोर टुट जाने से पहले व्यक्ति चेत जाता है और धर्म के क्षेत्र में समय को व्यतीत करता है तो वह मानव भव को सार्थक बनाकर संसार से आत्मा का कल्याण करवा सकता है। साहुकारपेट श्री संघ के कार्याध्क्षय महावीर चन्द सिसोदिया ने जानकारी देते हुए बताया की नवपद ओलीजी करने वाले अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने आयंबिल तप एवं विगह के साध्वीवृंद से पच्चखाण लिए। जिनका साहूकारपेट श्री एस.एस. जैन संघ के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी, सुरेश डूगरवाल,अशोक कांकरिया पृथ्वीराज वाघरेचा, जंवरीलाल कटारिया तथा मंत्री सज्जनराज सुराणा आदि सभी ने तप की अनूमोदना की।

भक्तों की आस्था का केंद्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ

गुंसी. शाबाश इंडिया

आर्यिका विज्ञाश्री माताजी की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से निमार्णाधीन श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट जिनालय विज्ञातीर्थ, गुंसी (राज) में जैन धर्म की महती प्रभावना हो रही है। शांतिनाथ चैत्यालय में प्रतिदिन अभिषेक, शांतिधारा हेतु भक्तों का मेला लगा रहता है। गुरूमां के मुखारविंद से आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य सत्यनारायण मोटूका एवं चिरंजीलाल अजमेरा रूपनगढ़ वालों को प्राप्त हुआ। निरंतर चल रही मंत्र साधना, आराधना एवं भक्ति से यह भूमि अतिशय ऊजार्वान एवं चमत्कारिक आस्था का केन्द्र बना जा रहा है। कम समय में ही विज्ञातीर्थ क्षेत्र विकसित होकर सिर्फ राजस्थान में ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष में अपनी गौरव गाथा को गायेगा। पूज्य माताजी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि संतों के दर्शन पुण्य से प्राप्त हुआ करते है। सूरज से दोस्ती करोगे तो सुबह से शाम, चांद से दोस्ती करोगे तो रात से सुबह तक और हम जैसे संतों से दोस्ती करोगे तो पहली मुलाकात से अंतिम मुलाकात तक। इन देव शास्त्र गुरु से मुलाकात करोगे तो पुण्य का संचय होगा। पुण्य आपके अतीत अनागत और वर्तमान को बदल सकता है। पूज्य माताजी ने कहा - आज के समय में हम पुण्य से डरते हैं पाप से नहीं। हम पाप करने में घबराते नहीं डरते नहीं लेकिन पुण्य करने में डरते हैं। भोजन में हमें जीरा धनिया मिर्च तेल सब दिखता बस नमक नहीं दिखाई देता जबकि भोजन को स्वादिष्ट वहीं बनाता है। वैसे ही देव शास्त्र गुरु की सेवा करने से ये पुण्य जुड़ता है भले वह दिखाई न दे पर फल अवश्य मिलता है।

राजनीति में सुधार लाने, जातिवाद की राजनीति के खात्मे के लिए कल अजमेर में महाकुंभ

लाखों की संख्या में दलित, शोषित, मूल ओबीसी व अनारक्षित वर्ग के लोग होंगे एकत्रित। जन स्वाभिमान मंच संयोजक राजऋषि समताराम महाराज ने किया लोगों से आह्वान

जयपुर/अजमेर. कासं

प्रदेश में चंद दिनों बाद विधानसभा चुनाव हैं। ऐसे में विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक पार्टियों के साथ ही साधु, संतों ने भी राजनीति में अपनी सक्रियता दिखानी शुरू कर दी है। राजनीति में सुधार लाने, जातिवाद की राजनीति के खात्मे के लिए जन स्वाभिमान मंच ने शुरूआत की है। इसकी शुरूआत रविवार को अजमेर की कायड़ विश्राम स्थली से होने जा रही है। जिसमें लाखों की संख्या में लोगों के एकत्रित होने का दावा किया जा रहा है। जन स्वाभिमान मंच के संयोजक राजऋषि समताराम महाराज ने बताया कि राजस्थान में राजनैतिक उदेश्यों की पूर्ति के लिए गुंडा तत्वों व माफियाओं का संरक्षण हो रहा है। प्रदेश इन दिनों राजनीति के साथ-साथ कार्यपालिका में जातिवाद का बोलबाला हो गया है। जन स्वाभिमान मंच के बैनर तले 29 अक्टूबर को अजमेर में एक बड़ी रैली होगी, जिसमें गरीब तबके के लोगों को न्याय, सेवा और सुरक्षा प्रदान करने के लिए संत समाज की ओर से आवाज उठाई जाएगी और उनके अधिकारों और हक की लड़ाई की शुरूआत की जाएगी। कार्यक्रम में मंच पर साधु–संत ही बैठेंगे।

लोकतांत्रिक सिस्टम को किया हाईजैक–समताराम महाराज

समताराम महाराज ने कहा– कि पूरे लोकतांत्रिक सिस्टम को ऐसे लोगों ने हाईजैक कर लिया है। संविधान भले ही धर्म निरपेक्षता की बात करता हो, लेकिन मौजूदा सिस्टम में बैठे लोग संविधान के विपरीत जाकर योग्यताओं को दरकिनार कर जाति धर्म के नाम पर अपने लोगों को बढ़ावा देते हुए और अन्य को कुचलकर सिस्टम को ही हाईजैक कर रहे हैं। समताराम महाराज ने कहा कि जातीय गुंडा तत्वों के प्रभाव से राजनैतिक दल भी जाति-धर्म के आधार पर टिकट का वितरण कर रहे हैं और सत्ता में बैठे राजनैतिक दल भी शासन प्रणाली को संतुलित न रखकर धर्म-जाति के आधार पर शासन का संचालन कर रहे हैं।

मंच का उद्देश्य चुनाव लड़ना नहीं

जन स्वाभिमान मंच का मूल काम भय, भ्रष्टाचार और जातिवादी नेताओं से मुक्ति दिलाना है। मंच का उद्देश्य चुनाव लड़ना नहीं है। हम केवल ऐसे माहौल का निर्माण करना चाहते है जिसमें सभी जाति धर्म के लोगों को समान अवसर और समान अधिकार के साथ भयमुक्त वातावरण मिल सके। जातिवादी गुडा तत्वों का राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियों पर बढ़ रहे प्रभाव को खत्म करने के लिए लोगों को जागरूक करेंगे।

ना कोई नेता होगा ना कोई पार्टी, जातिवाद के खिलाफ अजमेर से संत भरेंगे हुंकार

अजमेर. कासं

चुनावी माहौल के बीच राजस्थान की सियासत में अब एक नया ट्विस्ट आने वाला है। पुष्कर के संत और जन स्वाभिमान मंच के संयोजक समतारामजी महाराजा अजमेर में लाखों की भीड जुटाने का दावा कर रहे हैं। अजमेर के कायड़ विश्राम स्थल पर प्रदेशभर से जुटने वाली इस भीड़ के पीछे ना कोई नेता है और ना ही कोई राजनीतिक दल। ऐसे में हर तरफ चर्चा है कि आखिर इतनी भारी संख्या में आने वाली इस इस भीड़ का उद्देश्य क्या है? जिनके आव्हान पर यह भीड़ अजमेर पहुंच रही है वे हैं पुष्कर के संत और जन स्वाभिमान मंच के संयोजक समताराम महाराज जो कहते हैं कि उनका राजनीति से दूर - दूर तक कोई वास्ता नहीं है लेकिन राजस्थान की राजनीति में आज जातिवादी नेताओं और गुंडा तत्वों का हर तरफ बोलबाला है,जिसे साफ करने के लिए उन्होंने अपने मठ से निकलकर जन स्वाभिमान मंच का गठन किया है। ऐसे में अब राजस्थान के चुनावी माहौल में संत समाज की भी धमाकेदार एंट्री होने वाली है। अजमेर में आयोजित होने वाली इस बड़ी जनसभा में प्रदेशभर के सैकड़ो संत मंच पर मौजूद होंगे जो समताराम महाराज के नेतृत्व में जातिवाद, भ्रष्टाचार सहित दलित, वंचित, मूल ओबीसी और अल्पसंख्यकों के हक और हकूक में हुंकार भरने वाले हैं। गौरतलब है कि समताराम महाराज की इस तरह की गतिविधि राजस्थान में हर तरफ चर्चा का विषय बनी हुई है क्योंकि बीते कुछ महीनों से समताराम महाराज प्रदेशभर में जन स्वाभिमान यात्रा के बहाने लोगों से जन संपर्क कर रहे हैं। राजनीतिक जानकारों की माने तो समताराम महाराज अगर एक बड़ी भीड़ जुटा पाते हैं तो मारवाड़ और शेखावाटी की सीटों को बड़े स्तर पर प्रभावित कर सकते हैं जो फिलहाल प्रमुख राजनीतिक दलों के लिए चिंता की बात बनी हुई है।

समताराम महाराज के नेतृत्व में जातिवाद, भ्रष्टाचार सहित दलित, वंचित, मूल ओबीसी और अल्पसंख्यकों के हक और हकूक में हुंकार भरने वाले हैं...

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक–ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई–मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

मूलनायक श्री पदम प्रभु भगवान पर महामस्तकाभिषेक एवं शांतिधारा की

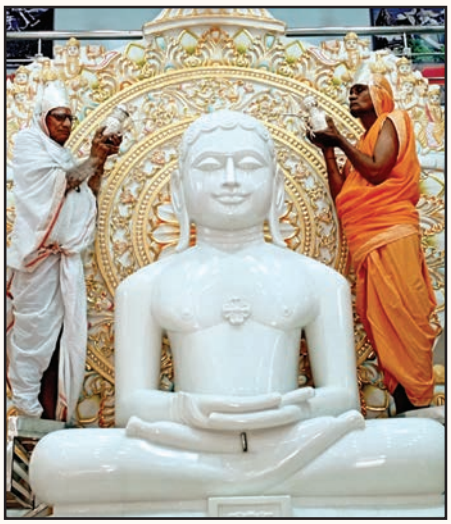

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में चतुर्दशी के पावन दिवस पर बड़े बाबा मूलनायक श्री पदम प्रभु भगवान पर महामस्तकाभिषेक एवं शांतिधारा की गई। प्रकाश पाटनी ने बताया कि प्रातः सभी प्रतिमाओं पर अभिषेक करने के बाद चांदमल जैन एवं जितेंद्र सोनी परिवार में पदम प्रभु भगवान पर, ताराचंदअग्रवाल ने आदिनाथ भगवान पर, राजकुमार शाह परिवार ने मुनिसुव्रतनाथ भगवान पर शांतिधारा की एवं अन्य प्रतिमाओं पर शांतिधारा की गई की गई। इस उपरांत श्रावक- श्राविकाओं ने भक्ति-भाव से पूजा-अर्चना कर अर्ग समर्पण किए। सायंकाल श्रीजी पर की महा आरती कर 48 दीपों से भक्तामर की आरती की गई।

शरद पूर्णिमा पर होगा विश्व की सबसे बड़ी स्फटिक मणि की प्रतिमा का अभिषेक

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। साउथ तुकोगंज इंदौर स्थित दिगंबर जैन समोशरण मंदिर में स्वर्ण बेदी पर विराजित विश्व की सबसे बड़ी (51 इंच ऊंची) स्फटिक मणि की श्री 1008 शांतिनाथ भगवान की सुदर्शनीय एवं अतिशयकारी प्रतिमा का आज शनिवार 28 अक्टूबर शरद पूर्णिमा को श्रमण संस्कृति के महामहिम संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के अवतरण दिवस पर प्रातः 7:30 बजे देश के वयोवृद्ध और अनुभव समृद्ध मनीषी जैन विद्वान पंडित रतनलाल शास्त्री के सानिध्य एवं निर्देशन में विधि विधान के साथ स्वर्ण रजत कलशों से अभिषेक होगा। प्रचार प्रमुख राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस अवसर पर कई त्यागी व्रती, ब्रह्मचारी भैया एवं ब्रह्मचारिणी दीदी और काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहेंगे। मंदिर ट्रस्ट एवं तुकोगंज समाज के वरिष्ठ सर्व अरुण सेठी, आजाद जैन, सी ए अशोक खासगीवाला, राजेश जैन लॉरेल, श्रीमती रानी डोषी, हंसमुख गांधी, संजीव जैन संजीवनी, मनोज मुकेश बाकलीवाल एवं समोशरण ग्रुप के विकास जैन, अमित जैन, अभय जैन, शैलेश जैन एवं अजीत जैन आदि ने समाज जनों से अभिषेक समारोह में पधारने एवं पुन्यार्जन करने का का आग्रह किया है।

मुनि शुद्ध सागर महाराज ने केंशलोच किया

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के समक्ष शुक्रवार को स्थानीय शांतिनाथ भवन पर जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज ने केंशलोच किया । श्रद्धालुओं ने केंशलोच देख कर मुनि श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि बिचला जैन मंदिर के शांतिनाथ भवन पर शुक्रवार को चतुर्दशी के दिन मुनि श्री ने केंशलोच किए। इस दौरान श्रद्धालुओं ने मूलनायक भगवान शांतिनाथजी सुपार्श्वनाथजी के अभिषेक एवं शांतिधारा करके पूजा अर्चना की। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने नित्य प्रति पूजा शांतिनाथ चालीसा सुपार्श्वनाथ चालीसा एवं महावीर चालीसा के साथ सम्मेदशिखर वन्दना पाठ , बारह भावना, के पाठ किए। इस अवसर पर मुनि शुद्ध सागर महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि दिगम्बर साधु वही बन सकता है जो निर्ममत्व भाव को जगाता है। जो अंतरंग और बहिरंग दोनों प्रकार के परिग्रह से रहित होता है वह ही नग्नत्व को धारण करने में समर्थ होता है। उन्होंने कहा कि ज्ञान ध्यान की साधना में रत रहते हुए अपने अठ्ठाईस मुलगुणो का पालन करते है जिसमें से केंशलोच भी एक है। उन्होंने केंशलोच का तात्पर्य बताते हुए कहा कि अपने हाथों से अपने सिर दाढ़ी व मूंछ के बालो को उखाड़ कर फेंक देना यह भी वैराग्य व शरीर के प्रति निर्ममता का अनूठा उदाहरण है। इस अवसर पर महावीर प्रसाद पराणा, धर्मचंद चंवरिया, महेंद्र संधी, पुनित संधी, विष्णु बोहरा, मनन दत्तवास, शंभु कठमाणा, त्रिलोक पांडया, नवरत्न टोंग्या, हेमचंद संधी, शिखरचंद काला, संजय बड़ागांव, त्रिलोक सिरस, नन्दलाल चौधरी, त्रिलोक रजवास, नितिन गिन्दोडी, प्रेमचंद सोगानी, अजीत काला, दिनेश सोगानी, पदमचंद पीपलू, मोहनलाल चंवरिया, अनिल पराणा, नीरज जैन सहित अनेक गणमान्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

धर्म की साधना नहीं कर पाते जिंदगी को प्रमाद में बिताने वाले -चेतनाश्रीजी म.सा.

पाप कर्म में रत रहने वाले को ही लगता जीवन में मृत्यु का भय- समीक्षाप्रभाजी म.सा., रूप रजत विहार में साध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन जारी

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जिनकी जिंदगी गप्पे लड़ाने में बीत जाती है वह धर्म की साधना नहीं कर पाते है। ऐसे व्यक्ति प्रमाद कर कर्मबंध करते रहते है। प्रतिदिन नवकार महामंत्र की साधना करके भी कर्म निर्जरा की जा सकती है। जो जिनवाणी का उपासक होता है उसका जगत गुणगान करता है। सज्जन पुरूष प्राण देकर भी अपने वचन का निर्वाह करते है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में शुक्रवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या वात्सल्यमूर्ति महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में नवपद ओली आयम्बिल आराधना के तहत श्रीपाल-मैना सुंदरी चरित्र का वाचन करते हुए आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा. ने व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि किस तरह धवल सेठ की मृत्यु के बाद राजसुख भोग रहे श्रीपाल को पत्नी मैनासुंदरी को 12 वर्ष बाद पर्युषण की अष्टमी के दिन लौट आने के लिए दिया वचन याद आता है। वह मैनासुंदरी के पास लौटने के लिए बैचने हो उठता है। वह सभी पत्नियों को साथ लेकर उज्जयनी के लिए चल पड़ता है ओर नियत दिन वहां पहुंच जाता है। वह रूप बदल रात में घर पहुंचता है तो उसकी माता कमलप्रभा भी उसे पहचान नहीं पाती तब श्रीपाल कहता है वह उसका बेटा है। माता व मैनासुंदरी की आंखों से आंसू बह निकलते है। श्रीपाल को विदा करने के बाद उसके पुनः आने तक 12 वर्ष मैनासुंदरी आयम्बिल तप की आराधना करती है। ऐसी महान सती का चरित्र प्रेरणादायी है।

निजी फाइनेंस कंपनियां एमएसएमई क्षेत्र के लिए फायदेमंद साबित हो रही

शाबाश इंडिया

भारतीय अर्थव्यवस्था अपने स्वर्णिम अमृत काल से गुजर रही है। इस तेजी से बढ़ती इकोनॉमी में देश के सबसे एमएसएमई सेक्टर का एक अभिन्न योगदान है। भारत में अनुमानित 63 मिलियन एमएसएमई देश की जीडीपी में 30% से अधिक और भारत के निर्यात में 40% से अधिक योगदान के माध्यम से भारतीय अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, जिससे आय सृजन होता है। हर महीने करीब 10 लाख भारतीय इस सेक्टर से जुड़ते हैं और अपना जीवन यापन करते हैं। आज हम बात करने वाले हैं कि किस तरह से एमएसएमई सेक्टर परंपरागत बैंकिंग सेक्टर के साथ ही निजी फाइनेंस कंपनियों से कैसे फायदा ले सकता है। क्योंकि बैंकिंग सेक्टर की अपनी पॉलिसीज होती है नियम कायदे होते हैं इसीलिए वह पूरी तरह से एमएसएमई सेक्टर की वित्तीय मदद करने में थोड़ा पीछे रह जाते हैं। लेकिन दूसरी ओर निजी फाइनेंस कंपनियां लचीले नियमों पर आधारित होती है इसीलिए आखिरी छोर पर खड़े व्यक्ति को भी ऋण देने में सक्षम होती है। प्राय निजी फाइनेंस कंपनियों को एनबीएफसी (ठइऋब्र) यानी नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनीज कहा जाता हैं। यह कंपनियां रिजर्व बैंक के नियमों पर चलती है लेकिन बैंकिंग सेक्टर की तरह इनमें उतने सख्त नियम कायदे नहीं होते हैं। क्योंकि बैंकिंग सेक्टर हर किसी की लोन की आवश्यकता को

पूरा नहीं कर सकता है इसीलिए रिजर्व बैंक ने ऐसी निजी कंपनियों को वित्तीय सहायता के लिए अधिकृत किया हुआ है। कहने का मतलब है कि अगर किसी आम आदमी को अपना खुद का सूक्ष्म लघु या मध्यम उद्योग शुरू करना है तो उसके लिए वित्तीय सहायता बहुत जरूरी है। ऐसे में हम सबसे पहले बैंक से संपर्क स्थापित करते हैं। लेकिन अगर बैंक की नियम और शर्तें हम पूरी नहीं कर सकते तो फिर किसी निजी फाइनेंस कंपनी से संपर्क करके वहीं वित्तीय सहायता रियायती दरों पर प्राप्त कर सकते हैं। रिजर्व बैंक के आंकड़ों पर नजर डाले तो जनवरी 2022 तक, भारतीय रिजर्व बैंक के साथ 9,500 से अधिक एनबीएफसी पंजीकृत हैं, जिनमें से कई ने फिनटेक मॉडल को अपनाया है। फिनटेक यानी तकनीकी रूप से आदर्श फाइनेंशियल मॉडल जो किसी भी सेक्टर को वित्त पोषण प्रदान करता है। कोरोना महामारी के बाद भारत सरकार ने निजी फाइनेंस कंपनियों को नियमों में छूट देकर आम आदमी तक वित्तीय सहायता पहुंचाने का शानदार काम किया है। कुल मिलाकर अब पैसे की कमी की वजह से किसी को भी उद्यमी बनने में दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ रहा है। अगर बैंक से आपको सही लोन मिल जाता है तो ठीक है वरना इन कंपनियों से लचीली दरों पर मिलने वाले लोन से आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। रिजर्व बैंक के अनुसार आने वाले समय में एमएसएमई सेक्टर देश की अर्थव्यवस्था को नए शिखर पर लेकर जाएगा। एमएसएमई प्रमोशन काउंसिल भारत सरकार, रिजर्व बैंक तथा तमाम निजी फाइनेंस कंपनियों की सराहना करती है कि जिनके साझा प्रयास से वैश्विक मंदी के इस दौर में भारत उद्यमिता के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है।

राम निवास मीना
राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी
एमएसएमई प्रमोशन काउंसिल

बंधन ग्रुप की दो दिवसीय करवाचौथ व दिपावाली लाइफस्टाइल सेल आज से

जयपुर. शाबाश इंडिया। बंधन ग्रुप की ओर से नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नाशिया में 28 -29 अक्टूबर को दो दिवसीय दिपावाली व लाइफस्टाइल प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। ये जानकारी देते हुए बंधन ग्रुप की कोडीनेटस ने बताया कि गत बार तीन स्थानो पर ग्रुप की प्रदर्शनी आपार सफलता को देखते हुये इस बार करवा चोथ और दीपावाली की सेल नसिया जी के बड़े डोम में लगायी जाएगी इस सेल का मुख्यदेश्य महिला गृह उद्यमियों को बढ़ावा देना और एक मंच प्रदान करना है। इस प्रदर्शनी में गृह सज्जा का सामान जेसे चादर ,परदे डेकोरेशन का आईटम, रंगोली,दीपक, और घर के साज सज्जा और साड़ी,सलवार शूट विन्टर कलेक्शन आदि की स्टाल लगाईं जाएगी इस प्रदर्शिनी में लगभग 60 से अधिक स्टाल होगी । बंधन की और आने वाले सभी लोगो में से हर 2 घंटे में एक लकी ड्रा निकला जायेगा। प्रदर्शनी का समय शनिवार और रविवार सुबह 11बजे से रात्रि 9 बजे तक रहेगा।

धर्मात्मा का सम्मान ही धर्म का सम्मान है : आचार्य श्री सुबल सागर जी महाराज

शाबाश इंडिया। सरल हदयी व्यक्ति गुणी जनों को देखते ही प्रीति से लबालब भर जाते है। उन्हें यह सम्यक ज्ञान है कि धर्मात्मा का सम्मान ही धर्म का सम्मान है, धर्म धर्मात्मा के अंदर ही पलता है, धर्मात्मा के बिना धर्म नहीं होता है। यह संबोधन दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर 27बी में विराजमान आचार्य श्री सुबल सागर जी महाराज ने दिया और भी कहा कि हे भव्य जीव ! मुख की प्रसन्नता आदि के द्वारा अंतरंग में भक्ति और अनुराग व्यक्त होना ही प्रमोद/खुशी है। सज्जन पुरुष गुणीजनों को देखकर प्रसन्नचित्त हो जाते हैं, यही उनकी सज्जनता की पहचान है दुर्जन व्यक्ति साधु पुरुषों को देखकर खेद खिन्न हो जाते है, यही दुर्जन की पहचान है। अन्दर की आस्था को मुख-मण्डल पर प्रकट करने की कला का नाम प्रमोद-भाव है। जिनके अंदर प्रमोद भाव नहीं वे शुष्क सरोवर के समान है, मात्र जमीन के गड्ढे के समान जहाँ प्यासे को पानी नहीं, कमल की सुगंध नहीं। प्रमुदित भाव गद्गद् भाव भव्य प्राणीओं के ही होते हैं। दुर्जन तो सद्गुणी जनों के मिलने पर मुख मोड़ लेते हैं। भाग्यहीन को भगवान कहाँ ? जिसके हृदय में सद्गुणियों के प्रति सम्मान नहीं, उसका हृदय क्या हृदय ? वह तो शुष्क पाषाण का टुकड़ा है जो अपने शुष्क भाव का त्याग नहीं करता, अपितु वह, तो पानी के अन्दर रहने पर भी सुखा ही रहता है। धन देकर अन्य वस्तु जैसे स्वर्ण, चाँदी के आभूषण, भूमि बर्तन- क्षेत्रादि खरीदा जा सकता है, परन्तु विश्व की सम्पूर्ण विभूति खर्च करके भी गुण-ग्राहयभाव नहीं खरीदा जा सकता है। गुण ग्राहणता सर्वोपरि गुण है। जिसके जीवन में गुण ग्रहणता का भाव आ गया वह विश्व का सर्वश्रेष्ठ पुरुष बन जाएगा।

संकलन: अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी

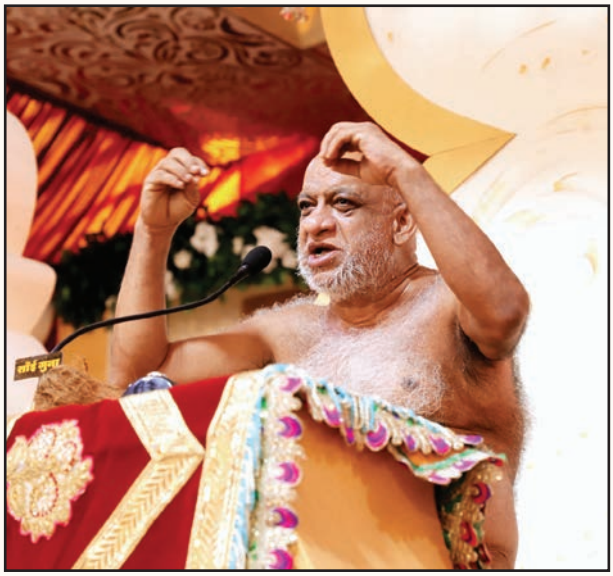

आजीविका की गारन्टी मेरी है, जिनवाणी माँ की है, जिनेंद्र देव की है: मुनि श्री सुधा सागर जी

आगरा. शाबाश इंडिया

हरीपर्वत स्थित श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार में श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के तत्वावधान में तीन दिवसीय स्नातक परिषद अधिवेशन एवं युवा परिषद संगोष्ठी का आयोजन चल रहा है जिसके दूसरे दिन 27 अक्टूबर को अधिवेशन का शुभारंभ भक्तों ने श्रमण संस्कृति के युवा विद्वान ने संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एवं नियमित श्रमण मुनिपुगंव श्री को नमन करते हुए मंगलाचरण की प्रस्तुति के साथ किया। मंगलाचरण के बाद विशिष्ट अतिथियों ने चित्र अनावरण और दीप प्रज्जवलन किया। सौभाग्य शाली भक्तों ने मुनिश्री का पादप्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद मुनिपुगंव श्री ने अपने मंगल प्रवचन में कहा कि जिनेंद्र देव यह नहीं कहते है कि मैंने जान लिया तुम्हे कोई जरूरत नही, जिनेंद्र देव कहते है मैंने जो जाना है उसे तुम भी जानो जिससे तुम यह न कह सको कि जिनेंद्र देव के जाने हुए ज्ञान से हमारी जिंदगी चल रही है। तुम खुद जानो कि जिनेंद्र देव क्या जानते है। तुम खुद समझो कि जिनेंद्र देव ने जो कहा है वो कितना सत्य है और उस सत्यता को जब आत्मा से निकलने लगे जाता है तब यह भगवान की जिनवाणी हमारे आत्मा का श्रुतज्ञान बन जाता है। कुन्दकुन्द भगवान ने शब्द दिए है ज्ञान नही दिया, जिनेंद्र भगवान शब्द दे सकते है ज्ञान नही क्योंकि ज्ञान का आत्मा के साथ समवाह सम्बंध है,तादात्म्य सम्बन्ध है। भगवान का जो ज्ञान है वो उनके पास रहेगा हमारे पास नही आ सकता। जब ज्ञान दे ही नही सकते तो भगवान ने हमे ज्ञान नही दिया शब्द दिए और शब्दों में ऐसा अर्थ निहित कर दिया कि उस अर्थ को हमे पकड़कर के हमारी ज्ञान की पर्याय बन जाये। जो शब्द हमने सुने है वो तो द्रव्य श्रुत है,उपचार से ज्ञान है। जो शब्द हमारे कानो में पड़े है वो शब्द हमारे श्रुतज्ञान को उत्पन्न होने में निमित बने और वो ज्ञान हमारा जो जाए। जिनगुण सम्पत्ति होऊ मज्झम जिनेंद्र भगवान का ज्ञान हमारा ज्ञान बने इसके लिए श्रमण संस्कृति ही समर्थ है। विश्व मे ऐसा कोई भी दर्शन नही है जो भगवान के समान बने का अधिकार देता है और श्रमण संस्कृति का मुख्य उद्देश्य यही है कि भगवान जो जान रहे है उससे ही नही मानना ये श्रमण संस्कृति नही है, ये तो भगवान संस्कृति है, ये तो श्रद्धा की संस्कृति है।श्रमण संस्कृति का अर्थ है जो भगवान जानते है उसे मैं भी जानूँगा इसका नाम है श्रमण संस्कृति। भगवान हमारे मालिक नही है, भगवान हमारे सीनियर है और हम उनके जूनियर है, वो हमसे एक कदम आगे चले है, हम उनके कदमो पर चल रहे है लेकिन चल हम भी रहे है। आप आजीविका के लिए ज्ञान न करे धर्म का,जीवन के लिए करे,आजीविका की गारन्टी मेरी है, जिनवाणी माँ की है, जिनेंद्र देव की है। जीवन यदि तुम्हारा लक्ष्य है तो आप कभी भी किताब पढ़ने के बाद भूलेंगे नही, शास्त्र पढने के बाद वो तुम्हारी जिंदगी में रहेगा। यदि जीवन के लिए पढा है तो जिंदगी भर आपका स्वाध्याय होना चाहिए। इस स्नातक परिषद अधिवेशन एवं युवा राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी के तीन दिवसीय आयोजन में पूज्यश्री कुंद-कुंद स्वामी द्वारा रचित पंचास्ती काय ग्रंथ पर अनेक विषयों पर आलेख लिखकर महान युवा विद्वान यहां पहुंचे हैं और निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के सानिध्य में अपने द्वारा लिखित आलेखों का वाचन कर रहे हैं। **मीडिया प्रभारी शुभम जैन के मुताबिक** स्नातक परिषद अधिवेशन एवं युवा परिषद संगोष्ठी का समापन 28 अक्टूबर को होगा। इस स्नातक परिषद अधिवेशन में प्रदीप जैन पीएनसी,निर्मल मोठ्या, मनोज बाकलीवाल नीरज जैन, पन्नालाल बैनाड़ा,हीरालाल बैनाड़ा, जगदीश प्रसाद जैन,राजेश सेठी, अमित जैन बॉबी,राजेश सेठी,विवेक बैनाड़ा,महेश जैन,अनिल जैन,मीडिया प्रभारी शुभम जैन,राजेश बैनाड़ा,नरेश जैन,सुरेन्द्र पांडया,अंकेश जैन,राहुल जैन,समकित जैन,राजेश जैन समस्त आगरा सकल जैन समाज एवं कोटा, जयपुर,अजमेर,खातेगांव,से बडी. संख्या में गुरुभक्त को उपस्थित रहे।

रिपोर्ट मीडिया प्रभारी शुभम जैन

शाहगढ़ में सातवें जिनालय के पंचकल्याणक समिति का हुआ गठन

मनीष विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

शाहगढ़। नगर में सातवें नवीन जिनालय में विराजमान भगवान पार्श्वनाथ की पाषाण की विशाल प्रतिमा की स्थापना हुई। दिगंबर जैन सातपुर मंदिर समिति द्वारा गणाचार्य श्री 108 विराग सागर महाराज के परम शिष्य जनसंत उपाध्याय श्री विरंजन सागर महाराज ससंघ के सान्निध्य में 10 से 15 दिसंबर तक श्री 1008 मज्जिनेंद्र पंचकल्याणक जिनबिंब प्रतिष्ठा, विश्वशांति महायज्ञ एवं रथोत्सव का आयोजन हो रहा है। महोत्सव के प्रचारमंत्री प्रकाश अदावन व मनीष विद्यार्थी ने बताया कि महोत्सव की तैयारियां तेज हो गई हैं। आचार्य श्री विराग सागर महाराज का श्रेयांशगिरी में चल रहे चतुर्मास और नैनागिर के पंचकल्याणक महामहोत्सव के उपरांत शाहगढ़ के इस महोत्सव में मंगल सान्निध्य प्राप्त होगा। श्रेयांशगिरी पहुंचकर महोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने आचार्य विरागसागर जी महाराज और नगर में विराजमान जनसंत उपा. श्री विरंजन सागर महाराज को श्री फल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। नगर में विराजमान जनसंत मुनि श्री के मंगल सान्निध्य में 5 नवंबर को महामहोत्सव के पात्रों का चयन होगा। पंचायती जिनालय में सकल दिगंबर जैन समाज की बैठक हुई जिसमें महोत्सव की तैयारियों के लिए महोत्सव समिति का गठन हुआ एवं उप समितियों को भी जिम्मेदारी दे दी गई है।

गोठी स्कूल में राजस्थानी सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर. शाबाश इंडिया। वर्द्धमान ग्रुप के तत्वावधान में श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित भंवर लाल गोठी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल ब्यावर में आज विद्यालय प्रांगण में इंटर हाउस सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 80 बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता राजस्थानी थीम पर आयोजित की गई जिसमे सीनियर और जूनियर वर्ग के सभी डांस ग्रुप ने शानदार और जानदार प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। प्रतियोगिता का संचालन मैरी डेनियल ने किया। प्रतियोगिता में प्रधानाचार्य डॉ अनिल कुमार शर्मा ने राजस्थानी भाषा में उद्बोधन देकर उपस्थित बच्चों को गदगद कर दिया। नियंत्रक ललित कुमार लोढ़ा ने सभी प्रतिभागियों और उनके मेंटर्स को उत्साहवर्धन करते हुए परिणाम जारी किया जिसमे जूनियर वर्ग में अशोका गोल्ड हाउस प्रथम, रमन ग्रीन हाउस द्वितीय और टैगोर ब्लू हाउस तृतीय स्थान पर रहे। जबकि सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान सुभाष रेड हाउस, द्वितीय स्थान टैगोर ब्लू हाउस और तृतीय स्थान पर अशोका गोल्ड हाउस और रमन ग्रीन हाउस ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया। इस अवसर पर श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ नरेन्द्र पारख, निदेशक डॉ आर सी लोढा,नियंत्रक ललित कुमार लोढ़ा, प्राचार्य डॉ अनिल कुमार शर्मा, उप प्राचार्या श्रीमती सुनीता चौधरी ने सभी प्रतिभागियों को शानदार प्रस्तुति के लिए उत्साहवर्धन किया।

सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों हेतु समाजसेविका ममता सोगानी नारी गौरव सम्मान से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रताप नगर विकास समिति के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय विशाल दशहरा मेला आयोजन में समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए प्रमुख समाजसेविका ममता सोगानी जापान वालो को 'नारी गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया। संयोजक चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि सम्मान के इस मौके पर श्रीमती सोगानी को तिलक, माला, शॉल, साफा तथा प्रशस्ति पत्र भेट कर सम्मानित किया गया। समारोह में जयपुर सांसद रामचरण बोहरा, सांगानेर विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी भजनलाल शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में प्रमोद पहाड़ियां ,प्रताप नगर विकास समिति के अध्यक्ष पूर्व विधायक गोपीचंद गुर्जर, पूर्व विधायक मोतीलाल खरेरा, ओमप्रकाश बाहेती, नितिन जैन बनेठा, आशीष जैन विवेक सेठी बैंकॉक वाले , राकेश जैन टंकी वाले, डॉ. जी एल शर्मा, पार्षद मोतीलाल मीणा, एम के शर्मा सहित बडी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

दीपा सिंह सर्वश्रेष्ठ निदेशक पुरस्कार से सम्मानित

प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी बेंगलुरु द्वारा आयोजित प्रिंसिपल कॉन्क्लेव में मिला पुरस्कार

जयपुर. शाबाश इंडिया। हनुमान नगर एक्सटेंशन स्थित निम्फ प्री-प्राइमरी स्कूल की निदेशिक दीपा सिंह को प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी बेंगलुरु द्वारा आयोजित प्रिंसिपल कॉन्क्लेव में सर्वश्रेष्ठ निदेशक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इसी समारोह में स्कूल की अध्यापिका बीनू शेखावत को भी सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार से नवाजा गया। गांधीपथ स्थित निम्फ एकेडमी स्कूल के निदेशक एम.पी. सिंह ने दीपा सिंह की इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि यह संपूर्ण निम्फ एकेडेमी परिवार के लिए गर्व और खुशी का क्षण है। दीपा सिंह अपनी कर्तव्यनिष्ठा, सुसंयोजित कार्यप्रणाली और कुशल नेतृत्व के कारण समस्त स्टॉफ और बच्चों में लोकप्रिय हैं। गांधीपथ स्थित निम्फ एकेडमी स्कूल के सीएफओ देवेंद्र सिंह ने कहा कि दीपा सिंह ने अपनी मेहनत और दूरदर्शिता से निम्फ प्री-प्राइमरी स्कूल को सफलता और श्रेष्ठता के नए आयाम दिए हैं।

पैरालिसिस होने का मुख्य कारण क्या है?

पैरालिसिस का कारण व्यक्ति की स्थिति पर निर्भर करता है और इसके कई कारण हो सकते हैं, जैसे...

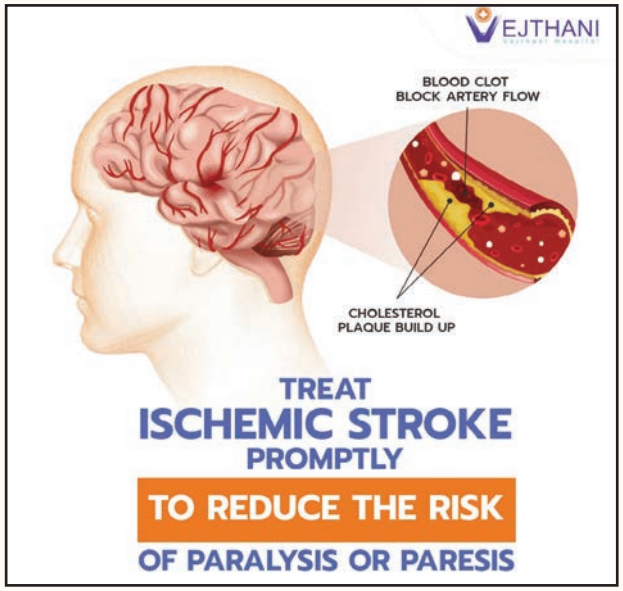

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

1. स्ट्रोक (आघात): स्ट्रोक एक ब्रेन की ब्लड सप्लाई कटने की कीमत पर्याप्त आवश्यक नहीं होने के कारण हो सकता है, जिससे ब्रेन की किसी भाग की मृत्यु हो सकती है और वहां पैरालिसिस हो सकती है।

2. स्पाइनल कॉर्ड इंजर: स्पाइनल कॉर्ड के किसी हिस्से में चोट लगने से वहां की नसों या कंट्रोल करने वाले अंगों में कमी हो सकती है जिससे पैरालिसिस हो सकती है।

3. न्यूरोलॉजिकल बीमारीज: कुछ

न्यूरोलॉजिकल बीमारियां जैसे कि मल्टीपल स्क्लेरोसिस, एमियोट्रोफिक लैटरल स्क्लेरोसिस (अछर), या गिलेन-बैरे सिंड्रोम जैसी बीमारियाँ भी पैरालिसिस के कारण बन सकती हैं।

4. अक्सीडेंट या घातक चोट: गंभीर अक्सीडेंट्स, जबानु, या अन्य चोट लगने से पैरालिसिस हो सकती है।

5. न्यूरोमस्कुलर ब्लॉकेज: यह किसी न्यूरोमस्कुलर जंग संबंधित समस्याएँ, जो नसों के नाक को नियंत्रित करने में कठिनाई पैदा कर सकती हैं, के कारण हो सकती है.

6. न्यूरोडीजिनरेटिव बीमारियां: कुछ न्यूरोडीजिनरेटिव बीमारियाँ, जैसे कि पार्किंसन रोग, जो न्यूरोन्स की कमी के कारण हो सकती हैं।

पैरालिसिस की उपचार की संभावना उसके कारण और गंभीरता पर निर्भर करती है, और इसे चिकित्सक के साथ चर्चा करना सबसे उपयुक्त होगा।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का ईसीसीई पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

चाकसू। परियोजना के पदमपुरा सेक्टर की सभी कार्यकर्ताओं को शिवदासपुरा आंगनबाड़ी केंद्र में प्रारम्भिक बाल्यावस्था शिक्षा पर प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण यूनिसेफ की सहयोगी संस्था प्रारम्भ फाउण्डेशन के द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण के दक्ष प्रशिक्षक रेखा दौराता ने सभी कार्यकताओं को दैनिक समय-सारणी के अनुसार केन्द्रों का संचालन वर्कबुक पर कार्य, समग्र प्रमाण पत्र को किस प्रकार से भरा जाएगा। इस पर विस्तार से जानकारी दी गई। आँगनबाडी केन्द्रों के बच्चों के लिये पोर्टफोलियो एवं उपस्थिति कार्ड बनाना बताया गया। अभिभावक बैठक को किस प्रकार थीम अनुसार करवाया जाएगा यह जानकारी कार्यकर्ताओ को दी गई। इस के साथ ही सभी कार्यकर्ताओ को (स्वीप कार्यक्रम) के अन्तर्गत मतदान हेतु जागरुक करने तथा रैली का आयोजन किया गया। एवं रंगोली के माध्यम के साथ सभी कार्यकर्ताओ को शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर प्रारम्भ फाउडेशन से अभय चौधरी तथा सभी कार्यकर्ता उपस्थित रही।

कूकस का दो दिवसीय वार्षिक मेला आज से

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चन्द्र प्रभु जी कूकस का वार्षिक मेला आज शनिवार 28 अक्टूबर 2023 से प्रारम्भ हो रहा है। क्षेत्र के मंत्री प्रदीप गोधा ने बताया कि मेले में आज प्रातः चन्द्र प्रभु विधान पूजा व रात्रि में भक्ति संगीत के कार्यक्रम होंगे। रात्रि भक्ति संगीत में जयपुर के वरिष्ठ गायक श्री पूनम जी गोधा, भागचन्द्र जी छाबड़ा, अशोक पाण्डया, सुनील पाण्डया, मीनू सोगानी, आयुष पाण्डया व श्री वीर संगीत मण्डल के श्री अशोक गंगवाल, सुभाष बज, विमल पाटनी आदि के द्वारा भजन प्रस्तुतियां दी जायेगी। कल दिनांक 29.10.2023 को प्रातः काल में 24 तीर्थंकर भगवान की साजों के साथ पूजन व दोपहर में भगवान के अभिषेक होंगे। मेला संयोजक सुरेन्द्र गोधा के अनुसार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विवेक काला व अध्यक्ष सुभाष पाटनी (स्वप्नलोक रिसोर्ट) होंगे। कार्यक्रम में अनिल दीवान, महेश काला (राष्ट्रीय मंत्री, अखिल भारतीय तीर्थ क्षेत्र कमेटी) व पारस पाटनी (पार्षद) विशिष्ट अतिथि होंगे। सांयकाल सकल समाज की सामुहिक गोठ व आरती के साथ मेले का समापन होगा(

लगातार परिश्रम सफलता की सीढ़ी : लुकमान शाह

स्टूडेंट क्लब ने अपना 42 वां स्थापना दिवस बड़े हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ मनाया। रेल आंदोलन के प्रणेता गंगवाल व नावा कुमावत समाज विवाह समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजस्थानी का किया स्वागत-सम्मान

नावां सिटी. शाबाश इंडिया

उपखण्ड मुख्यालय पर खेलों को बढ़ावा देने वाली संस्था स्टूडेंट क्लब ने अपना 42 वां स्थापना दिवस समारोह रामेश्वरम धाम मंदिर परिसर में बडे हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर क्लब के संस्थापक अध्यक्ष लुकमान शाह ने कहा कि विद्यार्थी जीवन से ही मेरी खेलों के प्रति रूचि रही है। खेल प्रतिभावों को बढ़ावा देने के लिए 24 अक्टूबर 1981 को जनसहयोग से इस क्लब की स्थापना की गई थी। इन 42 वर्षों में क्लब के माध्यम से प्रतिवर्ष विभिन्न खेल स्पधाओं का आयोजन करके अनेक प्रतिभाओं को तराशने का काम किया है। संस्था निरंतर नित नए आयाम स्थापित करने में लगी हुई है। उन्होंने खेल प्रेमियों को संदेश देते हुए कहा की आप इस बात को गांठ बांध ले लगातार परिश्रम सफलता की सीढ़ी है और आगे बढ़ते रहे निरंतर प्रयास करते रहे सफलता 100% आपके कदम चूमेगी। इस अवसर पर क्षेत्र में ऐतिहासिक रेल महा आंदोलन चलाकर नावा सिटी सहित आसपास की संपूर्ण जनता को जातिवाद भेदभाव व राजनीति से परे हटकर क्षेत्र विकास के मुद्दे पर एक जाजम पर बैठाने व नावां में रेलों का ठहराव व स्टेशन विकास कराने वाली महान शख्सियत, समाजसेवी पत्रकार मनोज गंगवाल व कुमावत समाज नावां की सामूहिक विवाह समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष तुलसीराम राजस्थानी को राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक पत्रिका का प्रधान सम्पादक बनाए जाने पर स्टूडेंट क्लब के स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान क्लब के सदस्यों व गणमान्य नागरिकों द्वारा माला व साफा पहनाकर व मुंह मीठा करवाकर जोरदार स्वागत सम्मान किया गया। समारोह में स्टूडेंट क्लब के संस्थापक अध्यक्ष लुकमान शाह, संरक्षक मोतीराम मारवाल, उपाध्यक्ष हनुमान राम चौधरी, सचिव दशरथ सिंह राठौड, संयोजक बाबूलाल बरवड़, राष्ट्रपति पदक से पुरुस्कृत अध्यापक सीताराम प्रजापत, नावां सोशियल सर्विस सोसाइटी के संरक्षक सत्यनारायण लढ़ा, रामेश्वर धाम मंदिर पुजारी भरत जोशी, फ्रेंड्स क्लब महामंत्री तुलसीराम दादरवाल, नावा फ्रेंस क्लब प्रथम अध्यक्ष हितेश रारा, पत्रकार गोपाललाल कुमावत, लाइंस जिम निदेशक ओम सिंह सिसोदिया,समाजसेवी प्रभु राम बुगालिया, अजय सांखला,अग्रवाल समाज महिला मंडल जिलाध्यक्ष अल्पना अग्रवाल आदि विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।